माइ क्लीन स्कूल (मेरा स्वच्छ स्कूल)

एयर वाइस मार्शल वी0 बी0 बत्रा (सेवा निवृत्त)

पिछले वर्ष इसी पत्रिका मे माइ क्लीन इंडिया कार्यक्रम पर मैने एक लेख लिखा था। तब से इस कार्यक्रम ने काफी प्रगति की है और देश के छः राज्यो (उत्तर प्रदेश, उत्तराखण्ड, दिल्ली, राजस्थान, कर्नाटक एवं तमिल नाडु) के लगभग 15 नगरो (नैनीताल, भवाली, हल्द्वानी, रूडकी, रिशिकेश, लखनउ, कानपूर, इलाहाबाद, अलीगढ, नौयडा, दिल्ली, अजमेर, पुष्कर, बंगालुरू और चैन्नई) मे इस कार्यक्रम का शुभारम्भ हों चुका है। इस अनुभव से यइ पाया गया कि स्कूल और कालेज हमारे इस कार्यक्रम के मुख्य बिन्दु होने चाहिये और इसीलिये जन्म हुआ इस नये कार्यक्रम का जिसे अब माइ क्लीन स्कूल कहा गया। नया माई क्लीन स्कूल कार्यक्रम पुराने माइ क्लीन इंडिया कार्यक्रम की सीमाओ के अन्दर ही कार्य करेगा। पर इसका फोकस स्कूल और कालेज आदि ही होगे।

अभिभावको की श्रेणी मे आने वाले हम लोग जानते है कि केवल स्कूल मे अच्छे ग्रेड लाने से ही बाद के जीवन मे सफलता नही मिलती। ग्रेड के साथ साथ हमे चाहिये एक सुलझा हुआ इन्साान जो किताबी ज्ञान से आगे बढकर जिन्दगी के अन्य पहलुओ पर भी विचार कर सके। इसे नई भाषा मे इन्टेलिजैन्स कोशेन्ट के बदले इमोशनल कोशेन्ट कहा गया जिस पर आज के सारे नियेाजक अधिक जोर देते है। अपने इस कार्यक्रम से हम इसी कमी को पूरा करने की कोशिश कर रहे है।

माई क्लीन स्कूल एक ऐसा विश्वव्यापी स्कूलो का नेटवर्क है जो विद्यार्थियो को जिम्मेदार नागरिक बनने के लिये प्रेरित करता है और उन्हें व्यावहारिक क्षेत्र मे काम करने का अवसर देता है। ये विद्यार्थी वास्तव मे अपने समाज के लिये एक प्रेरणा के श्रोत की तरह भी काम करते है। कुछ देशो ने तो यह कार्यक्रम दूसरे रूप मे पहले से ही चला रखा है जैूसे आस्ट्रेलिया मे हर विद्यार्थी को कालेज छोडने के पहले समाज सेवा मे 20 घन्टे कार्य करना अनिवार्य है। पर इस समय हम यहां अनिवार्यता की बाते नही कर रहे वरन अपने सभी इच्छुक विद्यार्थियो को आगे आने का अवसर देना चाहते है ताकि वे समाज को नई दिशा दे सके। इसमे आलरेडी कुछ स्कूल भारत से तथा कुछ आस्ट्रेलिया से शामिल हो चुके है। आशा है कि कुछ अन्य देशो के स्कूल जैसे दुबाई आदि के स्कूल भी इस कार्यक्रम मे शामिल हो जायेगे। हम समझते है कि समस्त विश्व के सभी स्कूल इस कार्यक्रम के शामिल होना चाहेगे क्योकि यह कार्यक्रम विद्यार्थी को वह प्रशिक्षण देता है जो और कोई पाठ्यक्रम या कार्यक्रम नही देता। इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थी के किताबी ज्ञान को व्यावहारिकता की चादर ओढकर संपूर्ण बनाना है ताकि वह शिक्षा के उपरांत स्वतंत्र जीवन में अधिक सक्षम हो जाये।

माइ क्लीन स्कूल, माइ क्लीन इंडिया या माइ क्लीन वर्ल्ड सभी एक की फिलासाफी के अलग अलग नाम है केवल फोकस अलग है। ये सभी कार्यक्रम माई क्लीन फिलासाफी का प्रतिपादन करते है। माइ से तात्पर्य है किसी भी व्यक्ति द्वारा उस काम की जिम्मेदारी लेना और क्लीन से तात्पर्य है शुद्धता से और अब ये दो शब्द किसी भी अन्य संज्ञा शब्द के पहले लगाये जा सकते है यहां तक कि आपसी मानवीय सम्बन्धो से बन जाता है माइ क्लीन रिलेशनशिप।

इस कार्यक्रम का उद्देश्य दूसरो की उदासीनता से उत्पन्न गन्दगी साफ करना नही वरन् ऐसे लोगो की उदासीनता को ही दूर करना है। विद्याार्थियो को अपने समाज से रूबरू होने का अवसर मिलता है जिसमे वे अपने आस पास के समाज को पर्यावरण ही नही बल्कि समस्त वातावरण के प्रति जागरूक बनाते है। स्कूलो द्वारा किये जाने वाले कुछ कार्यकलाप नीचे दिये गये है। यह लिस्ट सम्पूर्ण नही है और विभिन्न लोग और स्कूल इन कलापो मे अन्य को जोड सकते है।

- सामाजिक मुद्दो पर जुलूस निकालना, पोस्टर प्रतियोगिता, वाद विवाद प्रतियोगिता व निबन्ध आदि प्रतियोगिताए आयोजित कर सकते है।
- सुन्दर और सम्पन्न समाज बनाने के लिये योजनाए बनाना और उनकी मानिटरिग करना।

- सामाजिक मुद्दो पर सर्वे आदि करना ताकि लोगो की राय पता लगे । तदोपरांत इन पर कार्यवाही करना।
- पर्यावरण संरक्षण के लिये समाज से सदस्यो से शपथपत्र बनवाना व इनका अनुपालन कराना।
- क्लीन सडक, क्लीन स्कूल आदि प्रतियोगिताए कराना व इनमे पुरस्कार देना दिलाना।
- क्षेत्र को स्वच्छ रखने के लिये स्ट्रीट मार्शल आदि नियुक्त करना।
- वृक्षारोपण आदि करना।
- इस काम की पूरी मीडिया कवरेज कराना ताकि यह सन्देश जन जन तक जा सके।
- वर्ष मे एक बार सितम्बर माह मे क्लीन अप दि वर्ल्ड संस्था के साथ एकता दिखाते हुए अपने स्थान की सफाई कराना।
- कार्यक्रम चलाने के लिये आवश्यक घन की व्यवस्था करने के लिये स्पान्सर आदि को प्रेंरित करना।

यह सारा काम प्रत्येक स्कूल स्वतंत्र रूप से कर सकता है। इस सारे कार्यक्रम मे माइ क्लीन स्कूल नैटवर्क केवल कुछ ही सहायता कर सकता है। जैसे विभिन्न प्रकार के लोगो से विचार विमर्श के रूप मे या कुछ सीमित संसाधनो का वितरण कर। ये सीमित संसाधन हो सकते है पोस्टर, सर्टिफिकेट और अन्य लिटरेचर आदि। यह संस्था किसी भी अच्छे किये गये काम को एकनालेज अवश्य करती है जिससे अच्छा काम करने वाले की हिम्मत बढे और वह प्रेरित हो अपने अच्छे काम को और आगे बढाने के लिये। इस एकनालेजमैन्ट का एक बडा फायदा यह है कि अन्य लोग भी इस काम के बारे में जान जाते है और या तो इसी काम की अपने यहां पुनरावृत्ति या इससे भी अच्छा दूसरा काम करने की प्रेरणा पाते है। यह एकनालेजमैन्ट हमारी बैबसाहट माइक्लीनइंडियाडाटकाम पर किया जायेगा।
इस काम को प्रारम्भ करने के लिये प्रत्येक स्कूल को अपने यहां एक टीम का गठन करना होगा। इस टीम का लीडर संस्था के साथ सम्पर्क मे रहेगा और उनसे समुचित जानकारी लेकर उसे अपने स्कूल या कालेज मे संचालित करेगा। इस काम मे विद्यार्थी ही नही कुछ अध्यापक गण भी भाग ले सकते है। नगर या क्षेत्र स्तर पर कुछ स्कूल एक दूसरे से सहयोग कर सकते है और अपने काम का कुछ और व्यापक असर देख सकते है।
यह कार्यक्रम नान प्राफिट है और इसके चलाने के लिये हर व्यक्ति को यही सोचना होगा कि वह इस कार्यक्रम को क्या दे सकता है न कि इस कार्यक्रम से क्या ले सकता है। फिर भी कुछ तो धन की आवश्यता होगी ही जो दान, चन्दा या स्पान्सरशिप के रूप मे उपलब्ध कराया जायेगा।

तो आइये हमारे साथ। हम बदलेगे जग बदलेगा।

माइ क्लीन इंडिया शपथ

मै प्रतिज्ञा करता हूं कि मै अपने पर्यावरण की सुन्दरता के लिये अपने आप को उत्तरदायी मानूगा।
मै इस जागरूकता को फैलाने तथा उसके क्रियान्वयन में अपने समाज को प्रोत्साहित करूगा ।
मै प्रकृति के साथ एकलय एक सम्पन्न समाज बनाने के लिये कृतसंकल्प हूं क्योकि मै माइ क्लीन इंडिया के निम्न उद्देश्य से पूर्णतया सहमत हूं।

समाज के सहयोग से पर्यावरण की सुन्दरता और सम्पन्नता

(सम्पादकीय नोटः एयर वाइस मार्शल बत्रा सेवानिवृत्ति के पश्चात् भोवाली मे ही बस गये है। बहुआयामी श्री बत्रा अनेको प्रकार के सामाजिक और आध्यात्मिक कार्यकलापो मे सक्रिय है। वे हिमालयन हैल्पर नाम की सोसायटी चलाते है जिसका वर्णन इस पुस्तक मे अन्यत्र है। वे राम चन्द्र मिशन सतखोल से सम्बन्धित है और एक प्रशिक्षक के रूप मे मिशन का निर्धारित सत्संग अपने घर पर भी करते एवं कराते है। ट्रान्सपेरेन्सी इन्टरनेशनल इंडिया के उत्तराखंड चैप्टर के चेयरमैन है तथा आजकल एक चेयरमैन की हैसियत से माइ क्लीन इंडिया नाम की एक सम्पूर्ण भारत की पर्यावरण संरक्षण संस्था का मार्गदर्शन कर रहे है।)